राष्ट्रीय पोषण अभियान के अंतर्गत महिला कृषक गोष्ठी तथा कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र कौशाम्बी द्वारा राष्ट्रीय पोषण अभियान के अंतर्गत महिला कृषक गोष्ठी तथा कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र के सभागार में किया गया| उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय संजय कुमार गुप्ता, विधायक, चायल उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय विधायक जी ने फीता काटकर किया | उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज दो महापुरुषों का जन्म दिवस है पहले भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती है एवं दूसरे हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी का जन्म दिवस भी है तथा इस अवसर पर राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है आगे उन्होंने कहा कि हमें प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए पोषण वाटिका अवश्य लगाना चाहिए। एक आदर्श वाटिका का क्षेत्रफल लगभग 200 वर्ग मीटर होना चाहिए | आपको जो कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा सब्जियों के बीज प्रदान किये जा रहे हैं उनको उगाकर सेवन करें जिससे आप स्वयं एवं अपने बच्चे स्वस्थ रह सके | पूर्व में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ अजय कुमार ने माननीय विधायक जी को पुष्प गुच्छ तथा अंग वस्त्र भेंट करते हुए उनका स्वागत किया तथा उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह कार्यक्रम अन्तराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के रूप में मनाया जा रहा है तथा इस कार्यक्रम का उद्देश्य पोषक अनाज, पोषण वाटिका तथा वृक्षारोपण को बढ़ावा देना है| उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को पोषक अनाज बाजरा, तिल की कचौड़ी तथा कुटू की पकौड़ी आदि नास्ते में दिया जायेगा| आगे उन्होंने कहा कि पोषण माह के अंतर्गत आपको इफ्को के सौजन्य से पोषण वाटिका लगाने हेतु उत्कृष्ट प्रजाति के सब्जियों के बीज पालक, मेथी, गाजर इत्यादि के किट के साथ-साथ केन्द्र द्वारा एक-एक नींबू के पौधे का वितरण किया जा रहा है जिसे आप लगाकर उगाते हुए स्वयं एवं अपने बच्चों को रसायन मुक्त सब्जी एवं फलों का सेवन करते हुए स्वस्थ्य रह सकते हैं | उक्त कार्यक्रम में इफ्को के क्षेत्र प्रबंधक श्री वाई पी सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए बताया कि पोषण वाटिका का प्रयोग करके आप जैविक सब्जी एवं फलों का उत्पादन करके स्वयं एवं परिवार के लोगों को खिलाते हुए कुपोषण को मात दे सकते हैं| प्रशिक्षण कार्यक्रम में केन्द्र की वैज्ञानिका डॉ मीनाक्षी सक्सेना ने सब्जी एवं फल परीक्षण की विधियां एवं आदर्श पोषण वाटिका के बारे में विशेष जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि 20 प्लाटों का चयन करते हुए विभिन्न सब्जियों का उत्पादन करके आप राष्ट्रीय पोषण माह का थीम किचन गार्डन को बढ़ावा देने के लिए पोषण वाटिका का अपना विशिष्ट महत्त्व है एवं पोषक ऊर्जा में संतुलन आहार की आवश्यकता है| कार्यक्रम का संचालन करते हुए केंद्र के वैज्ञानिक डॉ आशीष श्रीवास्तव ने पोषण माह में भारत सरकार द्वारा देय अनुदान एवं किये जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की | केंद्र के वैज्ञानिक डॉ मनोज कुमार सिंह ने बायो फोर्टीफाईड प्रजातियों के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्रजाति उच्च प्रोटीन युक्त है| केन्द्र के अन्य वैज्ञानिक डॉ नवीन कुमार शर्मा ने प्रतिभागियों को कीटनाशको के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक किया| इस कार्यक्रम के माननीय श्री संजय गुप्ता जी द्वारा केवीके प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया तथा केन्द्र के वैज्ञानिको द्वारा गाँव में नींबू के 1000 पौधों का वितरण एवं रोपण कराया गया| कार्यक्रम में डॉ अमित कुमार, अजय सिंह, सुनील कुमार श्रीवास्तव, शेषनाथ यादव, विनय धर शुक्ला तथा 87 कन्याओं तथा आगनबाड़ी कार्यकत्री सहित कुल 290 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया |